

भले भेरूजी सोनाला नगरी में थोरो मंदिर बनीयो जोर रो



भले भेरूजी सोनाला नगरी में,
अरे भले खेतलाजी सोनाला नगरी में,
ओ थोरो मंदिर बनीयो जोर रो रे जियो IbdI

अरे भले भेरूजी दूरा ने दूरा रे,
भले खेतलाजी दूरा ने दूरो रा,
घना आवे थोरे जातरू रे जी हा,
अरे भले भेरूजी दूरा ने दूरा रा,
आवे थोरे जातरू रे जी हा IbdI

ओ अरे भले भेरूजी,
सुखीया ने दुखीया तो,
अरे भले खेतलाजी सुखीया दुखीया,
चरना मे थोरे आविया रे जी हा,
अरे भले भेरूजी सुखीया ने दुखीया,
तो चरने थोरे आविया रे जी हा IbdI

ओ अरे भले भेरूजी,
ढोला रे डमाके,
भले भेरूजी ढोला रे डमाके,
ओ थेतो रमता रमता आवजो ओ जियो,
अरे भले भेरूजी ढोला रे डमाके,
थेतो रमता रमता आवजो ओ जियो IbdI

अरे भले भेरूजी कोसेलाव नगरी ती,
ओ भले खेतलाजी कोसेलाव नगरी ती,
दर्शन थोरे आविया रे जी हा,
अरे भले भेरूजी कोसेलाव नगरी सु,
ओ भले खेतलाजी कोसेलाव नगरी ती,
दर्शन थोरे आविया रे जी हा IbdI



भले खेतलाजी भोपोजी चेलोजी,
वेतो माला थोरी फेरता हो जी,
अरे भले भेरूजी चेलोजी भोपोजी,
वेतो चरने थोरे आविया हो जी।bd।

भले भेरूजी सोनाला नगरी में,
अरे भले खेतलाजी सोनाला नगरी में,
ओ थोरो मंदिर बनीयो जोर रो रे जियो।bd।

गायक – संत कन्हैयालाल जी।
प्रेषक – मनीष सीरवी
9640557818
